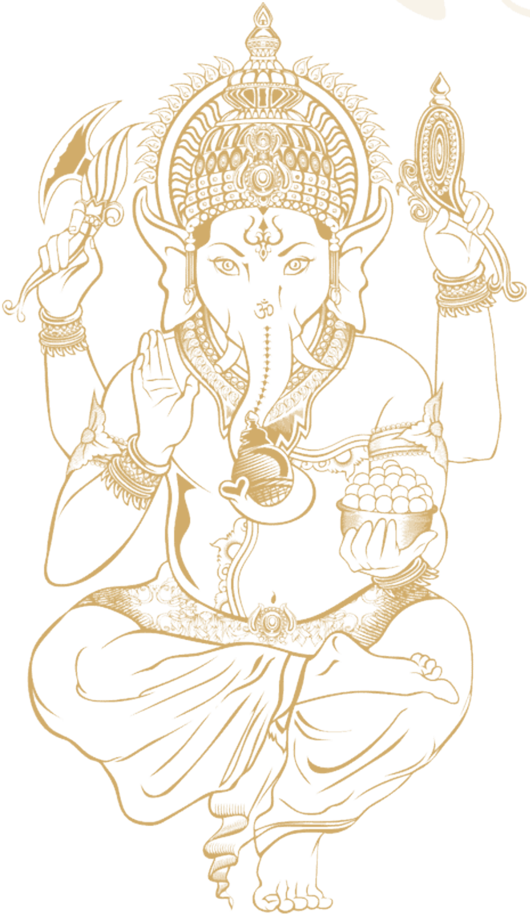

Mr.

01 Apr 2026

11:32 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb Order No: 121786423

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/04/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**11:32:00 घंटे**
इष्ट	13:20:46 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:10:52 घंटे
वेलान्तर	-00:03:54 घंटे
साम्पातिक काल	23:49:20 घंटे
सूर्योदय	06:11:41 घंटे
सूर्यास्त	18:38:53 घंटे
दिनमान	12:27:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	17:17:56 मीन
लग्न के अंश	15:41:33 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ.फ़ाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वृद्धि
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युंजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पी-पीयूष
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं-	स्थिति
लग्न			मिथु	15:41:33	318:21:44	आद्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मीन	17:17:56	00:59:12	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
चन्द्र			कन्या	07:28:26	12:45:53	उ.फ़ाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	29:05:21	00:46:56	पू.भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	सम राशि
बुध			कुंभ	19:41:11	00:51:31	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
गुरु			मिथु	21:34:19	00:03:57	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	07:43:32	01:13:52	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
शनि		अ	मीन	11:21:13	00:07:28	उ.भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चन्द्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:31:45	00:02:57	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:31:45	00:02:57	पू.फ़ाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:32:47	00:02:37	कृत्तिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:59:17	00:02:15	उ.भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:59:41	00:00:58	श्रवण	1	22	शनि	चन्द्र	चन्द्र	---
दशम भाव			मीन	02:52:13	--	पू.भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

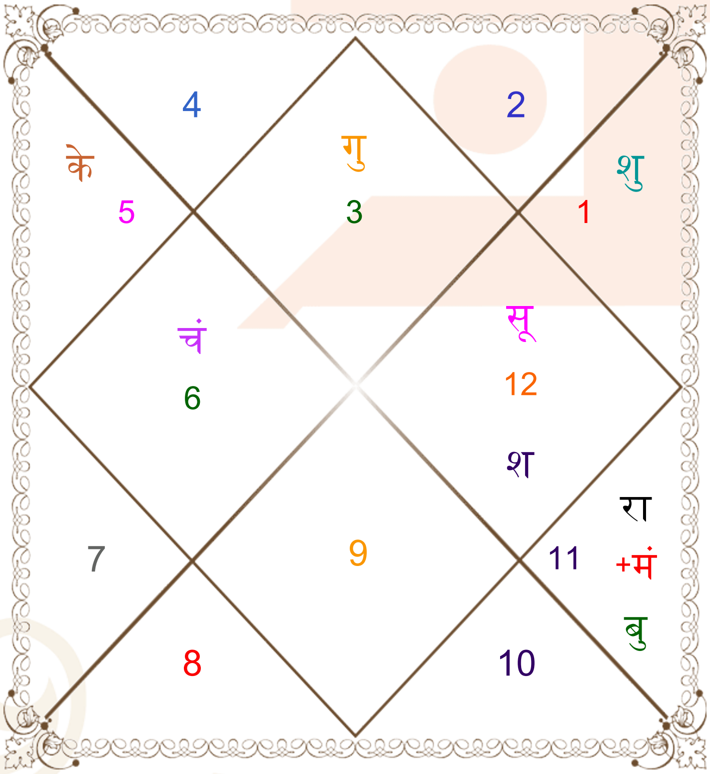

चन्द्र कुंडली

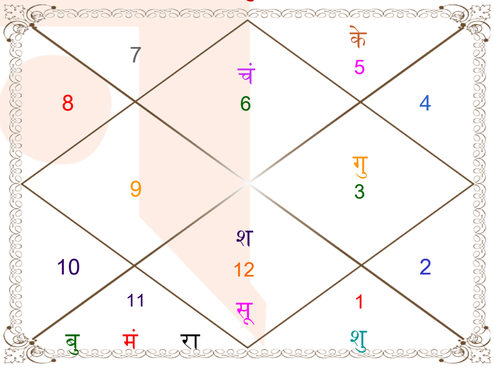

नवमांश कुंडली

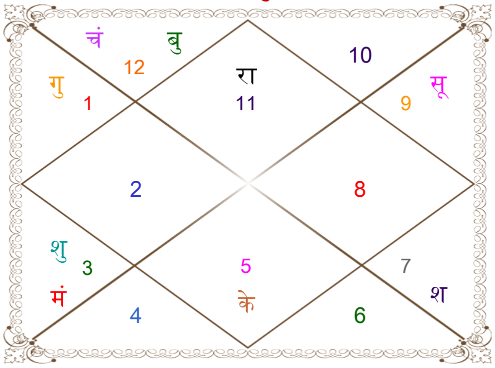

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 1 मास 9 दिन

सूर्य 6 वर्ष	चन्द्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
01/04/2026	**2/1/2027**	**2/1/2037**	**2/0/2044**	**2/1/2062**
2/1/2027	**2/1/2037**	**2/0/2044**	**2/1/2062**	**2/1/2078**
000/0000	चन्द्र 2013/2028	मंगल /170/2037	राहु 012/2047	गुरु 087/2064
000/0000	मंगल 200/2028	राहु 041/2038	गुरु 206/2049	शनि /101/2067
000/0000	राहु 204/2030	गुरु /110/2039	शनि 025/2052	बुध 204/2069
000/0000	गुरु 208/2031	शनि /191/2040	बुध 201/2054	केतु 024/2070
000/0000	शनि 2013/2033	बुध /161/2041	केतु 082/2055	शुक्र 012/2072
000/0000	बुध 208/2034	केतु /104/2042	शुक्र 082/2058	सूर्य /109/2073
014/2026	केतु 2013/2035	शुक्र /156/2043	सूर्य 021/2059	चन्द्र /101/2075
केतु 205/2026	शुक्र /191/2036	सूर्य 200/2043	चन्द्र 025/2061	मंगल 212/2075
शुक्र 205/2027	सूर्य 205/2037	चन्द्र 205/2044	मंगल 205/2062	राहु 205/2078

शनि 9 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
2/1/2078	**2/1/2097**	**2/2/2014**	**2/2/2021**	**2/2/2041**
2/1/2097	**2/2/2014**	**2/2/2021**	**2/2/2041**	**00/00/0000**
शनि 205/2081	बुध /170/2099	केतु /180/2114	शुक्र 209/2124	सूर्य 089/2141
बुध 012/2084	केतु /150/2100	शुक्र /182/2115	सूर्य 209/2125	चन्द्र /103/2142
केतु /123/2085	शुक्र /153/2103	सूर्य 204/2116	चन्द्र 205/2127	मंगल /167/2142
शुक्र /105/2088	सूर्य 206/2104	चन्द्र 231/2116	मंगल 207/2128	राहु 096/2143
सूर्य 204/2089	चन्द्र 201/2105	मंगल 204/2117	राहु 207/2131	गुरु 208/2144
चन्द्र 231/2090	मंगल /171/2106	राहु /105/2118	गुरु 203/2134	शनि /103/2145
मंगल 011/2092	राहु 066/2109	गुरु /164/2119	शनि 205/2137	बुध /141/2146
राहु 071/2094	गुरु /129/2111	शनि 205/2120	बुध 203/2140	केतु 024/2146
गुरु 205/2097	शनि 205/2114	बुध 205/2121	केतु 205/2141	000/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चन्द्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 1 मा 22 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान समय के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ समय के पश्चात् मिथुन राशि के प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृत्ति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलापों का ज्ञान केवल अपने ध्यान में रखकर ही उन्हें नियमपूर्वक संपादित करेंगे।

निस्संदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांतिपूर्ण एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रहकर ही अपना व्यवसाय स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी कामुक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि आपकी जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपके दोषों को प्रमाणित कर उग्र रूप धारण कर ले, तो भी आप अपने जीवन को पुनः व्यवस्थित कर लेंगे, यही आपके लिए उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानीपूर्वक व्यवहार करना चाहिए। आपके लिए यह श्रेयस्कर होगा कि यदि आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उन जातकों के साथ संबंध स्थापित करें जिनका जन्म लग्न या राशि तुला, मेष, सिंह अथवा कुंभ हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्र में जन्मे जातक की प्रवृत्ति उग्र हो सकती है और वे कभी-कभी कृतघ्न भी हो जाते हैं। उन्हें अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। अन्यथा, यदि वे इस प्रकार के रुझान को नियंत्रित नहीं कर पाए, तो प्रोत्साहन के अभाव में धनोपार्जन की उनकी उच्च महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का जातक निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक स्वाभाविक विषय है। वह किसी भी वस्तु की प्राप्ति हेतु अत्यंत तीव्र गति से कार्य प्रारंभ करना चाहता है। वे अपनी योजनाओं का कार्यान्वयन करते ही शीघ्र परिणाम प्राप्त करने के इच्छुक रहते हैं। वे अपनी दिनचर्या और कार्यों के संपादन हेतु स्वयं को पर्याप्त समय नहीं दे पाते। अनुकूल परिणाम प्राप्त करने के लिए वे अपनी आदतों के अनुसार व्यवसाय बदलकर शीघ्र लाभ कमाना चाहते हैं। वे किसी भी निश्चित कार्य या पद को संभालने और उसे पूर्ण रूप देने में कभी-कभी असमर्थ हो जाते हैं।

यदि वे अपनी इन बुरी आदतों को छोड़ दें, तो मुख्य रूप से 26 वर्ष की आयु के बाद अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हो सकते हैं। अर्थात् उनका जीवन सुखमय व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न से प्रभावित जातक के लिए लेखन, पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन और प्रचार-प्रसार के व्यवसाय अत्यंत अनुकूल हैं। यदि वे इनमें से कोई भी कार्य अपनाते हैं, तो वे पूर्णतः उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को स्वर-भंग, क्षय रोग और दमा जैसे रोगों के प्रति सतर्क एवं सुरक्षित रहना चाहिए। ऐसे जातक कभी-कभी मूर्छित भी हो सकते हैं, क्योंकि वे एकनिष्ठ होकर इतना कठिन परिश्रम करते हैं कि उत्तेजनापूर्ण जीवन बिताने लगते हैं। उन्हें बुद्धिमत्तापूर्वक शांति अपनानी चाहिए और पूर्ण रूप से विश्राम व निद्रा लेनी चाहिए।

आपके लिए बुधवार और शुक्रवार के दिन अनुकूल हैं, जबकि मंगलवार, रविवार, गुरुवार और सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद सिद्ध हो सकता है। शनिवार मध्यम फलदायी है। आपके लिए अंक 3 और 5 शुभ एवं उत्तम हैं। अंक 8 और 4 त्याज्य (वर्जित) हैं।

साथ ही लाल और काले रंग का प्रयोग न करें। यद्यपि बैंगनी, नीला, हरा और पीला रंग आपके लिए अनुकूल और व्यवहार में लाने योग्य है।